2. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिये ।

3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं, प्रत्येक प्रश्न 15 अंकों का है ।

4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. Evaluate the Nehru-Mahalanobis strategy adopted by India in the early phase of its development planning and its role in transforming its stagnant colonial conclave into an economy capable of sustained growth. (6+9)

Pulapre Balakrishnan

अपने स्थिर औपनिवेशिक परिवृति को निरंतर विकास वाली सक्षम अर्थव्यवस्था में बदलने में अपने विकास योजना के शुरुआती चरण में भारत द्वारा अपनाई गई नेहरू-महालनोबिस रणनीति का मूल्यांकन करें और इसकी भूमिका की व्यारव्या करें ।

2. A distinguishing feature of the high growth era (2003-08) was the increase in private corporate savings. Do you agree? Substantiate your answer. How crucial is the role of investment in infrastructure, if India is to sustain a high rate of economic growth in future? (8+7)

Rakesh Mohan

कॉर्पोरेट बचत में वृद्धि थी । क्या आप सहमत हैं ? अपने उत्तर की पुष्टि करें ? यदि भारत भविष्य में आर्थिक विकास की उच्च दर को बनाए रखना है तो बुनियादी ढांचे में निवेश की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है ?

3. "A democratic country can hardly want to become part-California and part Sub-Saharan Africa." In light of the above statement explain how India failed to tap the constructive roles of state and market for its growth and development? (15)

Jean Drèze & Amartya Sen
chapter 2 → Topic Dev^t, Inst^ns & Human Capabil^t + other relevant stuffs from ch 3

"एक लोकतांत्रिक देश शायद ही कभी अपने कुछ हिस्से को कैलिफोर्निया और कुछ हिस्से को सब-सहारा अफ्रीका बनना चाहता है ।" उपर्युक्त कथन के सन्दर्भ में व्यारव्या कीजिये कि भारत अपने संवृद्धि और विकास के लिए किस प्रकार सरकार तथा बाजार दोनों की रचनात्मक भूमिका से लाभ उठाने में असफल रहा ?

4. Can India reap the benefits of the Demographic Dividend? Explain. What does the available research indicate regarding a comparison between China & India on the relationship between population dynamics and economic growth? (6+9)

Tim Dyson + Internet

P.T.O.

1. What was the condition of Indian Economy on the eve of Independence ? Critically evaluate Nehru-Mahalanobis model and wage-goods model. 6,9

स्वतंत्रता की पूर्व संध्या पर भारतीय अर्थव्यवस्था की क्या दशा थी ? 'नेहरू-महालनोबिस' मॉडल व 'वेज-गुड' मॉडल का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

2. "While India has much to learn from International experiences, it also has a great deal to learn from the diversity of experiences within this large country." Evaluate critically. 5,10

"यद्यपि भारत अन्तर्राष्ट्रीय अनुभवों से बहुत कुछ सीख सकता है, उसके पास इस विशाल राष्ट्र के विविध अनुभवों से भी सीखने को बहुत कुछ है।" समीक्षात्मक व्याख्या कीजिए।

3. Examine India's macroeconomic performance since 1980s. What are the crucial issues and challenges that need to be addressed for sustained economic growth ? 7.5,7.5

1980 के दशक के उपरान्त भारत के समष्टिगत आर्थिक प्रदर्शन की विवेचना कीजिए। अनवरत आर्थिक वृद्धि के लिए किन महत्वपूर्ण मुद्दों व चुनौतियों को सम्बोधित करना पड़ेगा ?

4. Briefly analyze the changes in India's labour market during the last three decades. Explain the continuing challenges to a modern labour market in India. 9,6

गत तीन दशकों में भारत के श्रम-बाजार में आने वाले परिवर्तनों का संक्षिप्त विश्लेषण कीजिए। भारत में एक आधुनिक श्रम बाजार के निर्माण में निरन्तर आने वाली चुनौतियों की व्याख्या कीजिए।

5. Outline the factors which affect equality in affordability, utilization and availability of quality health care services in India. Discuss the major factors which are affecting school access and quality of education in India. 7.5,7.5

भारत में स्वास्थ्य सेवाओं की वहनीयता, उपयोग व उपलब्धिता को प्रभावित करने वाले कारकों को रूप-रेखित कीजिए। भारत में स्कूल-अभिगम्यता तथा शिक्षा की गुणवत्ता को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारकों की चर्चा कीजिए।

6. Do you think that inequality in India has risen after the 1990s ? How far is the diversification of food intake in India associated with an increase in nutrient intakes ? 7.5,7.5

क्या आप समझते हैं कि 1990 के बाद भारत में असमानता बढ़ी है ? भारत में खाद्य-ग्रहण का विविधीकरण पोषक-तत्वों के अन्तर-ग्रहण से किस हद तक जुड़ा है ?

P.T.O.

2018-12-10 15:12

[This question paper contains 2 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 7036 **D** **Your Roll No...............**

Unique Paper Code : 227501

Name of the Course : **B.A. (H) Economics**

Name of the Paper : Indian Economic Development Since 1947 II

Semester : V

Time : 3 Hours
समय : 3 घण्टे

Maximum Marks : 75
पूर्णांक : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. **All** questions carry equal marks, **15** marks each.
3. Attempt any **five** questions.
4. Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. Discuss, in some detail, how the unprecedented heavy inflow of foreign capital was tackled by India in the period 2003-08. In this context, briefly discuss the use of 'managed float' by RBI.

   वर्ष 2003-08 के दौरान विदेश पूँजी की अभूतपूर्व भारी प्रवाह से भारत कैसे निपटा ? विस्तार में चर्चा करें। इस संदर्भ में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा 'मेनेज्ड फ्लोट' के उपयोग को संक्षेप में चर्चा करें।

2. "Although the labour laws have largely remained unchanged in India, their impact has been changing subject to the enforcement of such laws by the authorities, the capabilities of unions to deal with them and the strategies that the firms are following to avoid them." Discuss.

P.T.O.

"यद्यपि भारत में श्रम कानून काफी हद तक अपरिवर्तित रहे है; परन्तु अधिकारियों द्वारा इस प्रकार के कानूनों का प्रवर्तन, उनसे निपटने के लिए यूनियनों की क्षमताओं एवम् फर्मों की उनसे बचने की रणनीति से इनके प्रभाव बदल रहे हैं", चर्चा करें।

3. "Evidence of price shifts is too mild to account for the observed slowing down of the agricultural growth in India during the 1990s. However, there is ample evidence that non price factors may have moved against the producers." Discuss.

"1990 के दशक के दौरान भारत में कृषि विकास की धीमी दर के लेखा जोखा के लिए कीमत परिवर्तन हल्के साक्ष्य हैं। हालांकि इस बात के पर्याप्त सबूत हैं कि गैर-कीमत कारकें उत्पादकों के विरोधी रहे हैं।" चर्चा करें।

4. "Instead of resolving the distortions in agriculture, the agricultural price policy has aggravated them." Do you agree ? Give reasons in support of your answer.

"कृषि में विकृतियों को हल करने के बजाय कृषि कीमत नीति ने इन्हें तेज किया है।" क्या आप सहमत हैं ? उत्तर के समर्थन में कारण दें।

5. "It is not ownership, but the degree of competition that matters in attaining productive efficiency in the industry." Discuss the above statement in context of the privatization debate in India.

"स्वामित्व नहीं बल्कि प्रतिस्पर्धा की मात्रा है जो उद्योग में उत्पादक क्षमता प्राप्त करने में मायने रखती हैं।" भारत में निजीकरण बहस के संदर्भ में उपरोक्त बयान पर चर्चा करें।

6. Elaborate the problem of the 'missing middle' in the Indian manufacturing sector. In this context, briefly discuss the causes of the emergence and persistence of dualism.

भारतीय विनिर्माण क्षेत्र में 'गैर हाजिर मध्य' की समस्या पर प्रकाश डालें। इस संदर्भ में, संक्षेप में द्वैतवाद के उद्भव और दृढ़ता के कारणों पर चर्चा करें।

7. Provide an assessment of the Trade and FDI policy regime in India since 1991. Also, briefly, discuss its impact on the Indian industry.

1991 के बाद से भारत में व्यापार और विदेशी प्रत्यक्ष निवेश नीति के व्यवस्था का आकलन प्रस्तुत करें। इसके अलावा, संक्षेप में भारतीय उद्योग पर इसके प्रभाव पर चर्चा करें।

8. "The service sector has not only outperformed other sectors of the Indian economy, but has also played an important role in India's integration with the world trade and capital markets." Discuss.

"सेवा क्षेत्र ने भारतीय अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों से न केवल बेहतर प्रदर्शन किया बल्कि विश्व व्यापार एवं पूँजी बाजार में भारत के एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।" वर्णन करें।

[This question paper contains 4 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 6008 **G** **Your Roll No...............**

Unique Paper Code : 227501

Name of the Paper : Indian Economic Development Since 1947 – II

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Economics**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. **All** questions carry equal marks, **15** marks each.
3. Attempt any **five** questions.
4. Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं, प्रत्येक के 15 अंक हैं ।
3. कोई पाँच प्रश्न कीजिए ।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. Briefly review the recent macroeconomic developments in India affecting growth. What are the major policy challenges for higher growth ? Explain. (8,7)

भारत में हाल के वर्षों में हुए व्यापक आर्थिक घटनाक्रमों की संक्षेप में समीक्षा कीजिए। उच्च संवृद्धि के लिए प्रमुख नीतिगत चुनौतियां क्या हैं ? चर्चा कीजिए।

2. What do you understand by financial globalisation ? What are the risk and reward associated with financial globalisation especially for an economy like India ? Explain. (6,9)

वित्तीय भूमंडलीयकरण से आप क्या समझते हैं ? विशेष तौर पर भारत जैसे अर्थव्यवस्था में वित्तीय भूमंडलीकरण के साथ कौन से जोखिम और लाभ जुड़े हैं ? चर्चा कीजिए।

3. In what ways the new Foreign Trade Policy (FTP) recently announced by the NDA government is new ? Critically examine its different components. (8,7)

एनडीए सरकार द्वारा हाल ही में घोषित नई विदेशी व्यापार नीति किस प्रकार से नई है ? इसके विभिन्न घटकों की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।

4. "Ideally, India needs to reform labour laws wholesale to create more employment opportunities in the formal sector and making growth more inclusive." Do you agree ? Give arguments in support of your answer. (15)

"आदर्श रूप से भारत को बड़े स्तर पर श्रम कानूनों में सुधार की जरूरत है, ताकि औपचारिक क्षेत्र में रोजगार के अधिक अवसरों का सृजन हो सके और संवृद्धि अधिक समावेशी हो।" क्या आप सहमत हैं ? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिए।

5. Critically examine the effectiveness of price policy in helping Indian farmers get sufficient profits to promote investment, technology and productivity, thereby contributing to the food security of the country. Can non-price policy be a substitute or complement to the price policy ? (10,5)

निवेश, प्रौद्योगिकी एवं उत्पादकता को बढ़ावा देने के लिए भारतीय किसानों को पर्याप्त लाभ मिले, और इस प्रकार देश की खाद्य सुरक्षा में सहयोग मिले, इस हेतु कीमत नीति की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए। क्या गैर कीमत नीति, कीमत नीति का विकल्प या पूरक हो सकती है ?

6. Briefly review India's experience with Foreign Direct Investment (FDI) and Foreign Portfolio Investment (FPI) inflows in recent decades. Suggest some major policy lessons to attract more FDI and FPI for the benefit of our economy. (9,6)

हाल ही के दशकों में भारत के प्रत्यक्ष विदेश निवेश (एफडीआई) एवं विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) प्रवाहों के अनुभव की संक्षेप में समीक्षा कीजिए। हमारी अर्थव्यवस्था के लाभ के लिए अधिक एफडीआई को आकर्षित करने हेतु प्रमुख नीतिगत सुझाव दीजिए।

7. Discuss the problem of dualism in the context of Indian manufacturing sector. Explain the causes and impact of this dualism on Indian economy. (8,7)

भारतीय विनिर्माण क्षेत्र में द्वैतवाद की समस्या की चर्चा कीजिए। द्वैतवाद के कारणों और भारतीय अर्थव्यवस्था पर उसके प्रभाव की विवेचना कीजिए।

8. "In the post-reform period the service sector in India has played an important role in overall performance of the Indian economy along with facilitating integration of Indian economy with world economy and the capital markets." Discuss. How can the growth of this sector be made sustainable ? (8,7)

"सुधार उपरांत काल में भारत के सेवा क्षेत्र ने भारतीय अर्थव्यवस्था के कुल मिलाकर निष्पादन के साथ-साथ भारतीय अर्थव्यवस्था को वैश्विक अर्थव्यवस्था और पूंजी बाजारों के साथ जोड़ने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।" चर्चा कीजिए। इस क्षेत्र की संवृद्धि को किस प्रकार चिरस्थाई किया जा सकता है ?

[This question paper contains 2 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 5971 **F** **Your Roll No...............**

Unique Paper Code : 227501

Name of the Paper : Indian Economic Development Since 1947 II

Name of the Course : **B.A. (H) Economics**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt any **five** questions.
3. **All** Questions carry equal marks 15 marks each.
4. Answers may be written either in English or in Hindi, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दें।
3. सभी प्रश्नों के मान समान है, 15 अंक प्रति प्रश्न।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. What, according to you, could be some probable causative factors responsible for the 'macroeconomic reversal' witnessed during the period 2003-04 to 2013-14 in India's economy from a phase of 'high growth with low inflation to one of low growth with high inflation'?

   आप के अनुसार, वर्ष 2003-04 से वर्ष 2013-14 के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था में होने वाले "व्यापक आर्थिक बदलाव" जिसमें कम मुद्रास्फीति के साथ अधिक संवृद्धि से अधिक मुद्रा स्फीति के साथ क्रम संवृद्धि के चरण को देखे जाने के संभावित कारक क्या-क्या हो सकते हैं?

2. In light of India's trade performance roughly over the last decade, suggest some strategic measures which may be adopted to correct the widening trade imbalance.

P.T.O.

मोटे तौर पर पिछले एक दशक में भारत के व्यापार निष्पादन के संदर्भ में, बढ़ते व्यापार असंतुलन को दूर करने के लिए अपनाये जाने वाले कुछ रणनीतिक उपाय बतायें।

3. Discuss, with special reference to India's experience, the possibility of evolving labour laws that can help protect the intersts of workers as well as employers.

भारत के अनुभव के विशेष संदर्भ में, मजदूरों के साथ-साथ नियोक्ताओं के हितों की रक्षा करने में सहायक होने वाले श्रम कानूनों को विकसित करने की संभावना की व्याख्या करें।

4. Why do you think is it essential to give particular attention to India's agricultural sector for promoting a more inclusive and sustainable overall growth? Suggest some policies for the same.

आप ऐसा क्यों समझते हैं कि एक अधिक समावेशी और सतत् विकास के लिए भारत के कृषि क्षेत्र पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है? इसके लिए कुछ नीतियों का सुझाव दीजिए।

5. Would you consider it judicious a adopt a combination of price and non-price interventions in India's agriculture to protect the interests of both producers and consumers? Explain.

क्या आप उत्पादकों एवं उपभोक्ताओं दोनों के हितों की रक्षा के लिए भारत के कृषि क्षेत्र में कीमत तथा गैर कीमत हस्तक्षेप के संयोजन को अपनाना विवेकपूर्ण समझेंगे? व्याख्या कीजिए।

6. Assess the strengths and weaknesses of 'the Competition Act, 2002' in conforming to the principles of modern 'anti-trust' law.

आधुनिक "एंटी-ट्रस्ट कानून" के सिद्धांतों के अनुरूप "प्रतिस्पर्धा अधिनियम 2002" के ताकत और कमजोरियों का आंकलन करें।

7. To what extent can the persistence of 'dualism' in India's manufacturing sector be held responsible for the slowing down of its expected dynamic role in promoting growth and expanding employment in the economy?

अर्थव्यवस्था में समृद्धि और रोजगार के विस्तार को बढ़ावा देने में इनकी संभावित गतिशील भूमिका को धीमा करने में भारत के विनिर्माण क्षेत्र में उपस्थित "द्वैतवाद" को किस हद का जिम्मेदार ठहराया जा सकता है?

8. While the service sector undoubtedly contributed to accelerating the growth of India's economy in the 1990's, it could not similarly help in expanding the opportunities of employment for its people. Discuss.

निस्संदेह सेवा क्षेत्र ने 1990 में भारत की अर्थव्यवस्था में संवृद्धि को तेज करने में योगदान दिया, यह इसी तरह से अपने लोगों के लिए रोजगार के अवसरों का विस्तार करने में सहायता नहीं कर सका। व्याख्या कीजिए।